समाजशास्त्र का अर्थ –

समाजशास्त्र दो शब्दों से मिलकर बना है | पहला लैटिन शब्द **'Socius'** जिसका अर्थ है – **समाज** तथा दूसरा ग्रीक शब्द '**Logos**' जिसका अर्थ है – **अध्ययन** या **विज्ञान** | इस प्रकार समाजशास्त्र का शाब्दिक अर्थ समाज का विज्ञान है|

चूँकि समाजशास्त्र दो भाषाओं लैटिन एवं ग्रीक से मिलकर बना है ,इसलिए **जॉन स्टुअर्ट मिल (J.S.Mill)** ने समाजशास्त्र को दो भाषाओं की अवैध संतान कहा एवं इसके स्थान पर **इथोलॉजी (Ethology)** शब्द के प्रयोग का सुझाव दिया |

समाजशास्त्र की परिभाषा (Definition of Sociology in Hindi)

समाजशास्त्र की परिभाषा के द्वारा हम इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि समाजशास्त्र क्या है ,इसकी प्रकृति एवं विषय क्षेत्र क्या है, जिसका यह अध्ययन करता है | समाजशास्त्र मुख्यतः अौद्योगिक समाज का अध्ययन करता है, तात्पर्य है कि समाजशास्त्र समाज के उन स्वरुपों का अध्ययन करता है जो औद्योगिक क्रांति एवं फ्रांसीसी क्रांति के परिणाम स्वरुप अस्तित्व में आया |इस नए स्वरुप का संपूर्णता में अध्ययन करने की छमता उस समय के उपलब्ध विषयों में नहीं था |अतः इस आवश्यकता की पूर्ति के लिए नए विषय के रुप में समाजशास्त्र अस्तित्व में आया|

फिर भी हम देखते हैं कि समाजशास्त्र अपने अध्ययन को आधुनिक समाज के अध्ययन तक सीमित नहीं रखता क्योंकि जिस औद्योगिक समाज का यह अध्ययन करता है उसका अतीत भी रहा है | इसलिए यह अपने अध्ययन में परंपरागत समाज(कृषक एवं जनजातीय) को भी सम्मिलित करता है |परंपरागत समाज का अध्ययन आधुनिक समाज के अध्ययन को पूर्णता प्रदान करता है, साथ ही समाजशास्त्रीयों को सामाजिक परिवर्तन (Social Change) की दिशा एवं दशा को रेखांकित करने का आधार प्रदान करता है|

विद्वानों द्वारा दी गई समाजशास्त्र की परिभाषा को हम चार भागों में बांट सकते हैं |